कुलसचिव
Registrar

0542 – 2222689 (O)
0542 – 2223099 (R)
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ,
वाराणसी–२२१००२
Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith,
Varanasi-221002

पत्रांकः–कु0स0–2सी.समिअ/ 2464 /विद्यापरि0बैठक 04–3/2015 दिनांकः– 27 अप्रैल, 2015

विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 18-04-2015 का कार्यवृत्त

मा0कुलपति जी की अध्यक्षता में विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक– **18.04.2015** को डॉ0भगवान दास केन्द्रीय पुस्तकालय स्थित समिति कक्ष सम्पन्न हुई जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित हुए–

1.	डॉ0 पृथ्वीश नाग, कुलपति	अध्यक्ष
2.	प्रो0 श्रद्धानन्द, संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय (विभागाध्यक्ष–मंचकला, उर्दू, अंग्रेजी एवं प्रभारी–पुस्तकालय विज्ञान)	सदस्य
3.	प्रो0 सत्येन्द्र नाथ चतुर्वेदी, संकायाध्यक्ष, समाज विज्ञान संकाय	सदस्य
4.	प्रो0 रामप्रकाश द्विवेदी, संकायाध्यक्ष–समाजकार्य संकाय एवं विभागाध्यक्ष–गांधी अध्ययनपीठ	सदस्य
5.	प्रो0 कृष्ण कुमार अग्रवाल, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबन्ध0 संकाय	सदस्य
6.	प्रो0 सुरेन्द्र बहादुर सिंह, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय	सदस्य
7.	प्रो0 सत्या सिंह, संकायाध्यक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय (विभागाध्यक्ष–कम्प्यूटर एवं विज्ञान अनुप्रयोग, गणित एवं सांख्यिकी विभाग)	सदस्य
8.	डॉ0 देवेन्द्र कुमार उपाध्याय(कृषि सांख्यिकी), संकायाध्यक्ष, कृषि विज्ञान संकाय (श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया)	सदस्य
9.	प्रो0 अशोक कुमार मिश्र, संकायाध्यक्ष, चिकित्सा विज्ञान संकाय	सदस्य
10.	प्रो0 उमारानी त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग	सदस्य
11.	प्रो0 अशोक कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग	सदस्य
12.	प्रो0 विष्णु दत्त पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग	सदस्य
13.	प्रो0 अनिल कुमार उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता विभाग	सदस्य
14.	प्रो0 मंजुला चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, ललितकला विभाग	सदस्य
15.	प्रो0 मुन्नी लाल राम, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
16.	प्रो0 धर्मनाथ सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य
17.	प्रो0 आनन्द कुमार, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग	सदस्य
18.	प्रो0 रामचन्द्र पाठक, विभागाध्यक्ष, समाजकार्य विभाग	सदस्य
19.	प्रो0 सुधीर कुमार शुक्ला, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग	सदस्य
20.	प्रो0 गोपाल प्रसाद नायक, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग	सदस्य
21.	डॉ0 सुशील कुमार गौतम, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग	सदस्य
22.	प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, म0मो0मा0हि0पत्र0सं0	सदस्य
23.	डॉ0पंचदेव सिंह, देवेन्द्र स्ना0महा0, बिल्थरा रोड, बलिया	सदस्य
24.	डॉ0अशोक कुमार पाण्डेय, एसो0प्रोफेसर, सुदृष्टि बाबा स्ना0महा0, सुदृष्टिपुरी, रानीगंज, बलिया	सदस्य
25.	डॉ0जनार्दन सिंह, एसो0प्रोफेसर, कालिकाधाम स्ना0महा0, सेवापुरी, वाराणसी	सदस्य
26.	डॉ0अशोक कुमार सिंह, एसो0प्रोफेसर, कृषि रसायन, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा0, बलिया	सदस्य
27.	डॉ0सत्या नन्द गुप्त, एसो0प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा0, बलिया	सदस्य
28.	डॉ0प्रकाश नारायण चौबे, एसो0प्रोफेसर, कृषि प्रसार, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा0, बलिया	सदस्य
29.	डॉ0शैलेन्द्र विक्रम सिंह, असि0प्रोफेसर,उद्यान विज्ञान, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा0, बलिया	सदस्य
30.	डॉ0इन्द्र प्रताप सिंह, एसो0प्रोफेसर, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा0, बलिया	सदस्य
31.	डॉ0सन्तोष सिंह, असि0प्रोफेसर, शस्य विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, जक्खिनी, वाराणसी	सदस्य

32.	डॉ0ओम प्रकाश सिंह, एसो0प्रोफेसर, आनुवांशिक एवं पादप प्रजनन, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा0, बलिया	सदस्य
33.	प्रो0 माता बदल शुक्ल, वाणिज्य विभाग	सदस्य
34.	प्रो0 कल्पलता पाण्डेय, शिक्षाशास्त्र विभाग एवं निदेशक एम0टी0ए0	सदस्य
35.	प्रो0 सुरेश कुमार कानोडिया, वाणिज्य विभाग	सदस्य
36.	प्रो0 कृपाशंकर जायसवाल, वाणिज्य विभाग	सदस्य
37.	प्रो0 राजीव द्विवेदी, इतिहास विभाग	सदस्य
38.	प्रो0 रविप्रकाश पाण्डेय, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य
39.	प्रो0 मल्लिका चतुर्वेदी, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य
40.	प्रो0 अजीत कुमार शुक्ला, वाणिज्य विभाग	सदस्य
41.	प्रो0 संजय, समाजकार्य विभाग	सदस्य
42.	प्रो0 लक्ष्मी शंकर उपाध्याय, इतिहास विभाग	सदस्य
43.	प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह, मनोविज्ञान विभाग	सदस्य
44.	प्रो0 शम्भू उपाध्याय, मनोविज्ञान विभाग	सदस्य
45.	प्रो0 शिव कुमार मिश्र, हिन्दी विभाग	सदस्य
46.	प्रो0 योगेन्द्र सिंह, इतिहास विभाग	सदस्य
47.	प्रो0 वन्दना सिन्हा, समाजकार्य विभाग	सदस्य
48.	प्रो0 राम मूर्ति चतुर्वेदी, संस्कृत विभाग	सदस्य
49.	प्रो0 महेन्द्र मोहन वर्मा, समाजकार्य विभाग	सदस्य
50.	डॉ0 सूर्यभान प्रसाद, राजनीति विज्ञान विभाग (01.07.2014 से 30.06.2015 तक)	सदस्य
51.	डॉ0 ब्रजेश कुमार सिंह, समाजशास्त्र विभाग (01.07.2014 से 30.06.2015 तक)	सदस्य
52.	डॉ0 रेखा, समाजशास्त्र विभाग (01.02.2015 से 31.01.2016 तक)	सदस्य
53.	डॉ0 नन्दिनी सिंह, दर्शनशास्त्र विभाग (23.07.2014 से 22.07.2015 तक)	सदस्य
54.	डॉ0 अंकिता गुप्ता, अर्थशास्त्र विभाग (01.07.2014 से 30.06.2015 तक)	सदस्य
55.	डॉ0 पिताम्बर दास, दर्शन शास्त्र विभाग (01.07.2014 से 30.06.2015 तक)	सदस्य
56.	डॉ0 जया कुमारी आर्यन, इतिहास विभाग (01.07.2014 से 30.06.2015 तक)	सदस्य
57.	डॉ0सुशीला राय, असि0 प्रोफेसर, मनोविज्ञान, डॉ0राम मनोविज्ञान विभाग,डॉ0राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भैरव तालाब, वाराणसी	सदस्य
58.	प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह, संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण संकाय	सदस्य
59.	श्री ओम प्रकाश, कुलसचिव	सचिव

<u>बैठक में अधोलिखित निर्णय लिये गयेः–</u>

<u>बिन्दु सं0(01)</u>:–विद्यापरिषद् की गत बैठक दिनांक 31.01.2014 एवं आपात बैठक दिनांक 20.11.2014 के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं कृतकार्यवाही की सूचना।

<u>निर्णयः–</u> **परिषद ने विचारोपरान्त अपनी गत बैठक दिनांक 31.01.2014 एवं आपात बैठक दिनांक 20.11.2014 के कार्यवृत्त को पुष्ट किया एवं कृत कार्यवाही की सूचना को अंकित किया।**

<u>बिन्दु सं0(02)</u>:–चिकित्सा विज्ञान संकाय समिति में मा0कुलपति जी द्वारा प्रो0झारखण्डे ओझा, पूर्व विभागाध्यक्ष–आयुर्वेद विभाग, का0हि0वि0वि0, वाराणसी एवं प्रो0एस0एन0सिंह, राजकीय आयुर्वेद डिग्री कॉलेज, वाराणसी को सदस्य नामित किये जाने की सूचना।

<u>निर्णयः–</u> **परिषद ने चिकित्सा विज्ञान संकाय में वाह्य सदस्य नामित किये जाने की सूचना को अंकित किया।**

<u>बिन्दु सं0(03)</u>:–कृषि संकाय की संकाय समिति में मा0कुलपति जी द्वारा हेतु 1. प्रो0एस0यू0खान, शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वि0वि0, श्रीनगर, कश्मीर, 2. डॉ0उमेश चन्द्र, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि0वि0, फैजाबाद, 3. डॉ0ज्योतिशंकर, प्रधानाचार्य, कुलभाष्कर आश्रम

पी0जी0कॉलेज, इलाहाबाद, 4. डॉ0अजय कुमार श्रीवास्तव, जी0बी0पंत कृषि प्रौद्योगिकी वि0वि0, उधमसिंह नगर, उत्तरांचल, 5. प्रो0वी0के0मिश्रा, का0हि0वि0वि0, वाराणसी को सदस्य नामित किये जाने की सूचना।

निर्णयः– **परिषद ने कृषि संकाय में वाह्य सदस्य नामित किये जाने की सूचना को अंकित किया।**

बिन्दु सं0(04):–परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 17.01.2015 के कार्यवृत्त के अनुमोदन पर विचार।

निर्णयः– **परिषद ने विचार–विमर्श के अनन्तर परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 19.01.2015 के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया।**

बिन्दु सं0(05):–प्रवेश समिति की बैठक दिनांक 23.03.2015 के कार्यवृत्त के अनुमोदन पर विचार।

निर्णयः– **परिषद ने विचार–विमर्श के अनन्तर प्रवेश समिति की बैठक दिनांक 23.03.2015 के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया।**

बिन्दु सं0(06):–शिक्षा अधिकारी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के पत्र संख्या एफ–6–6/2013(SCT) दिनांक 31 दिसम्बर, 2014 जो सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सं0 30–17/2010–DD III दिनांक 25 फरवरी, 2013 के क्रम में है, के अनुसार विश्वविद्यालय में साईन लेंगवेज (Sign Language) प्राविधानित किये जाने की प्रक्रिया पर विचार।

निर्णयः– **परिषद ने विचार–विमर्श के पश्चात् उक्त प्रकरण पर अधोलिखित की एक समिति गठित करने का निर्णय लिया –**

1. **प्रो0 राम प्रकाश द्विवेदी, संकायाध्यक्ष, समाजकार्य संकाय –अध्यक्ष**
2. **प्रो0 आनन्द कुमार, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग –सदस्य**
3. **प्रो0 वन्दना सिंन्हा, समाजकार्य विभाग –सदस्य**

बिन्दु सं0(07):–स्कूल ऑफ मैनेजमेण्ट साइंस(SMS) के पत्र संख्या SMS/ADM/2014 दिनांक 17.10.2014 जो B.Voc.(Bachelor of Vocation) Sales & Marketing एवं B.Voc.(Bachelor of Vocation) Software Development पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने के सम्बन्ध में है, उक्त पाठ्यक्रम एवं अध्यादेश के अनुमोदन पर विचार।

निर्णयः– **परिषद के संज्ञान में लाया गया कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को परिनियमित किये जाने हेतु एक संकाय के गठन का प्रस्ताव प्रस्तुत किये जाने के लिए प्रो0 के0के0 अग्रवाल, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबन्धशास्त्र संकाय को अधिकृत किया गया है। परिषद ने सम्यक विचारोपरान्त निर्णय लिया कि व्यावसायिक संकाय एवं उसके अन्तर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को परिनियमित करने की कार्यवाही की जाय। तद्पश्चात् पाठ्यक्रम अध्ययन समिति, संकाय समिति के माध्यम से पुनः विद्यापरिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाय।**

बिन्दु सं0(08):–डॉ0एस0पी0पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा दर्शनशास्त्र, इतिहास, संस्कृत एवं बौद्ध अध्ययन में रिसर्च कराने हेतु रिसर्च सेण्टर स्थापित करने/मान्यता एवं सम्बद्धता सम्बन्धी प्रस्ताव पर विचार।

निर्णयः– **परिषद ने उक्त पत्र पर विचार–विमर्श के पश्चात् निर्णय लिया कि किसी स्ववित्तपोषित संस्था को शोध कार्य कराने हेतु रिसर्च सेण्टर स्थापित करने एवं सम्बद्धता से सम्बन्धित व्यवस्था विश्वविद्यालय के परिनियमावली में व्यवस्था न होने के कारण अस्वीकार किया गया।**

बिन्दु सं0(09):—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के पत्र संख्या F 1-1/2014(Secy) दिनांक 12 नवम्बर, 2014 जो विश्वविद्यालय में Choice Based Credit System (CBCS) सृजित किये जाने के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने विचार—विमर्श के पश्चात् निर्णय लिया कि इस सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागाध्यक्षों से CBCS लागू किये जाने की सहमति प्राप्त की जाय तथा उक्त सहमति के आधार पर कार्यवाही की जाय। सदन में उपस्थित संकायाध्यक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय ने सदन को अवगत कराया कि अगले सत्र से पी0जी0डी0सी0ए0, एम0एस—सी0 एवं हैण्डलूम साइंस के पाठ्यक्रम में लागू करेंगी। विभागाध्यक्ष, ललितकला विभाग ने भी अवगत कराया कि अगले सत्र से ललितकला विभाग विषय में उक्त व्यवस्था लागू करेंगी।**

बिन्दु सं0(10):—कु0विजेता सिंह पुत्री डॉ0काशी नाथ सिंह, एसो0प्रोफसर, डॉ0राम मनोहर लोहिया स्ना0महा0, भैरो तालाब, वाराणसी का महाविद्यालय शिक्षक आश्रित कोटे के अन्तर्गत एम0एड0पाठ्यक्रम में प्रवेश लिये जाने सम्बन्धी डॉ0रंगनाथ मिश्र, महामंत्री, सम्बद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ, वाराणसी के पत्र दिनांक 02.02.2015 पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने विचार—विमर्श के पश्चात् प्रकरण को परीक्षण हेतु प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, म0मो0मा0हिन्दी पत्रकारिता संस्थान को अधिकृत करने का निर्णय लिया। अपना प्रतिवेदन अगली बैठक में रखे जाने हेतु मा0 कुलपति जी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।**

बिन्दु सं0(11):—"Affiliation of Mahmana Malviya Institute of Technology for Ganga Management(MMITGM), Varanasi with Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith for short term, computer & model added post graduate diploma course on Environment impact Assessment & Management Studies" से सम्बन्धित प्रो0यू0के0चौधरी, संस्थापक/निदेशक महामना मालवीय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फार गंगा मैनेजमेण्ट, वाराणसी(MMITGM) के पत्र दिनांक 29.04.2014 पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने विचार—विमर्श के अनन्तर निर्णय लिया कि यह बिन्दु भी बिन्दु संख्या—08 के सदृश्य है। अतः बिन्दु 08 में लिया गया निर्णय से ही प्रभावी होगा।**

बिन्दु सं0(12):—विद्यापरिषद् में **पांच वाह्य विशेषज्ञ** नामित किये जाने पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने विचारोपरान्त पॉच वाह्य विशेषज्ञ नामित किये जाने हेतु कुलपति जी को अधिकृत करने का निर्णय लिया।**

बिन्दु सं0(13):—चिकित्सा विज्ञान संकाय के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली के परिनियम खण्ड 7.04(च) क्रमांक 40 पर ''यूनानी चिकित्सा'' विभाग स्थापित किये जाने पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने विचारोपरान्त चिकित्सा विज्ञान संकाय के अन्तर्गत क्रमांक—40 पर ''यूनानी चिकित्सा'' विभाग को स्थापित किये जाने सम्बन्धी परिनियम संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकार किया।**

बिन्दु सं0(14):—प्रो0कृपाशंकर जायसवाल, समन्वयक, आई0क्यू0ए0सी0 के पत्र संख्या आई.क्यू.ए.सी./210/विविध /1/299/15 दिनांक 06.01.2015 जिसके साथ आई0क्यू0ए0सी0 की बैठक दिनांक 31 दिसम्बर, 2014 के बिन्दु 04 में लिये गये अधोलिखित निर्णय पर विचार—

बिन्दु सं0—04:—

''विश्वविद्यालय में कई वर्षों से शोध कार्य में शिथिलता पाये जाने पर विस्तृत चर्चा हुई एवं सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि कुलसचिव महोदय बैठक कर या पत्र द्वारा

सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों एवं संकायाध्यक्षों से इस आशय की यथाशीघ्र सूचना प्राप्त कर लें कि किसी विषय एवं विभाग में कितनी सीटें रिक्त हैं तथा उसके आधार पर जनवरी, 2015 तक नये शोध प्रवेश हेतु विज्ञापन जारी करें। इसे कड़ाई से पालन करने पर भी जोर दिया गया।

इसी क्रम में कार्य परिषद् की बैठक दिनांक 30.10.2014 के अध्यक्ष की अनुमति के अन्तर्गत लिये गये निर्णय निश्चय संख्या 05 शोध अवधि की गणना पर विचार–

''परिषद् ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि कोर्स वर्क की फीस जमा करने की तिथि से ही दो वर्षों की गणना शोध प्रबन्ध जमा करने हेतु की जाय।''

पर विरोध प्रकट किया गया। इसे यू0जी0सी0नियम एवं शोध अध्यादेश तथा शोध गुणवता के विपरीत उठाया गया कदम बताया गया और इसे किसी भी दशा में प्रभावी न करने का सुझाव दिया गया। इस सन्दर्भ में सदन में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि शोध अध्यादेश के बिन्दु संख्या 9.01 एवं 9.04 को आवश्यकतानुसार संशोधन कर उसे विद्यापरिषद् की आगामी बैठक में प्रस्ताव लाकर यथा संशोधित करा लिया जाय और कार्य परिषद् के उपर्युक्त निर्णय जो कुलसचिव के पत्रांक कु0स0–2सी.समिअ/2372/कार्य परि0 बैठक 03.04.2014 दिनांक 10 दिसम्बर, 2014 को आगामी कार्यपरिषद् की बैठक से पुष्ट न करने हेतु मा0कुलपति जी एवं समिति अनुभाग को सन्दर्भित कर दिया जाय। इस प्रकार से इसे पुनः विद्यापरिषद् में संशोधन एवं कार्यपरिषद् में पुष्ट न करने के साथ सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।''

निर्णयः– **परिषद ने सम्यक विचारोपरान्त निर्णय लिया कि ''छात्र शोध कोर्स वर्क की शुल्क जमा करने की तिथि से शोध कार्य के लिए पंजीकृत हो जायेगा। तद्पश्चात् सम्बन्धित विभाग द्वारा 1 माह के भीतर शोध समिति की बैठक आहूत कर शोधार्थी को शोध निर्देशक एवं शोध शीर्षक आवंटित कर दिया जायेगा। शोध अवधि की गणना कोर्स वर्क की शुल्क जमा करने की तिथि से की जायेगी।'' परिषद् ने प्रो0राम प्रकाश द्विवेदी, समन्वयक, यू0जी0सी0यूनिट के पत्र 08यू0जी0सी0/2573/2015 दिनांक 13 अप्रैल, 2015 को भी संज्ञान में लिया।**

उपर्युक्त निर्णय शोध अध्यादेश का अंश होगा जो शोध अध्यादेश में यथास्थान समाहित किया जाय।

बिन्दु सं0(15):– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अन्तर्गत एम0ए0/एम0एस–सी0(होम साइंस) क्लॉथिंग एण्ड टेक्सटाइल्स के पाठ्यक्रम एवं अध्यादेश के अनुमोदन पर विचार।

निर्णयः– **परिषद ने विचारोपरान्त उपर्युक्त एम0ए0/एम0एस–सी0 (होम साइंस) क्लाथिंग एण्ड टेक्सटाइल्स के पाठ्यक्रम एवं अध्यादेश को अनुमोदित किया।**

बिन्दु सं0(16):– एम0एस–सी0–कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान, एम0एस–सी0–आनुवांशिक एवं पादप प्रजनन तथा एम0एस–सी0–कृषि अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रमों के अनुमोदन पर विचार।

निर्णयः– **परिषद ने विचारोपरान्त उपर्युक्त एम0एस–सी0 कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान, अनुवांशिक एवं पादप प्रजनन तथा कृषि अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया।**

बिन्दु सं0(17):– परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् छात्रों की सुविधा को देखते हुए उत्तर पुस्तिकाओं को संरक्षित करने के क्रम में उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन के तत्काल बाद स्कैन कराकर विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर डाले जाने सम्बन्धी प्रस्ताव पर विचार।

निर्णयः– **परिषद ने उपर्युक्त प्रकरण पर सम्यक विचारोपरान्त निर्णय लिया कि वर्तमान समय में प्रथम चरण में समस्त पाठ्यक्रम टाप–3 एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के उत्तर पुस्तिकाओं को**

मूल्यांकन के तत्काल बाद स्कैन कराकर विश्वविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड करने का निर्णय लिया।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य बिन्दुओं पर विचारः-

बिन्दु सं0(01):—चिकित्सा विज्ञान संकाय(बी0ए0एम0एस0—आयुर्वेद चिकित्सा) के पाठ्यक्रम एवं अध्यादेश के अनुमोदन पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने विचारोपरान्त चिकित्सा विज्ञान संकाय के अन्तर्गत (बी0ए0एम0एस0—आयुर्वेद चिकित्सा) के पाठ्यक्रम एवं अध्यादेश को अनुमोदित किया।**

बिन्दु सं0(02):—म0मो0मा0हिन्दी पत्रकारिता संस्थान के अन्तर्गत एम0जे0(एम0सी0) प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में संशोधन पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने विचारोपरान्त निदेशक म0मो0मा0 हिन्दी पत्रकारिता संस्थान के पत्र संख्याः 110(प0सं0)/4141/540/2015 दिनांक 19.02.2015 द्वारा एम0जे0(एम0सी0) प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में निम्न संशोधनों को स्वीकार किया —**

1. **प्रथम सेमेस्टर एम0जे0(एम0सी0) चतुर्थ प्रश्न—पत्र—प्रायोगिक/कम्प्यूटर ज्ञान(टाइप) कुल अंक = 100 अंक (90 प्रायोगिक + 10 शैक्षणिक भ्रमण)।**

बिन्दु सं0(03):—एम0टी0ए0 पाठ्यक्रम के नाम को एम0टी0टी0एम0(मास्टर ऑफ टूरिज्म एण्ड ट्रैवेल मैनेजमेण्ट) परिवर्तित किये जाने सम्बन्धी निदेशक, पर्यटन अध्ययन संस्थान के पत्र संख्या एम0टी0ए0/50/2014 दिनांक 12.11.2014 पर विचार।

निर्णयः— **परिषद ने उपर्युक्त प्रस्ताव पर विचारोपरान्त निर्णय लिया कि एम0टी0ए0 का नाम एम0टीएम0 (मास्टर ऑफ टूरिज्म एण्ड ट्रैवेल्स मैनेजमेण्ट) किये जाने पर ए0आई0सी0टी0ई0 से मान्यता लेना आवश्यक होगा। ए0आई0सी0टी0ई0 से मान्यता लेने की कार्यवाही की जाय। साथ ही यह भी निर्णय लिया कि तब तक वर्तमान नाम यथावत् रहेगा।**

बिन्दु सं0(04):—संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय के पत्र संख्या मा0स0/540/14 दिनांक 02 जुलाई, 2014, जिसके द्वारा मानविकी संकाय की संकाय समिति की बैठक दिनांक 02 जुलाई, 2014 का कार्यवृत्त उपलब्ध कराया गया है, के अनुमोदन पर विचार।

निर्णयः— **मानविकी संकाय की उपर्युक्त बैठक में शैक्षणिक प्रकरणों से सम्बन्धित बिन्दुओं को परिषद् ने अनुमोदित किया साथ ही यह भी निर्णय लिया कि मानविकी संकाय से अलग संकाय बनाये जाने हेतु उपर्युक्त नाम का सुझाव दिया जाय और उसमें कौन—कौन से विभाग रखे जायेगें उनका भी नाम उल्लिखित किया जाय। उक्त कार्य विभागाध्यक्ष, ललित कला विभाग व मंचकला विभाग के अध्यापकों के साथ बैठक कर शीघ्र नये संकाय को परिनियमित किये जाने हेतु मा0कुलपति जी को प्रस्ताव उपलब्ध करायें।**

बिन्दु सं0(05):—विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग के पत्र दिनांक 15.04.2015 जो एम0ए0राजीनति विज्ञान के सेमेस्टर—IV में 17वें प्रश्नपत्र के रुप में लिखित 16 प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त 100 अंक की मौखिकी परीक्षा शामिल किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव पर विचार।

निर्णयः— **विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग के उपर्युक्त प्रस्ताव पर परिषद् ने विचारोपरान्त निर्णय लिया कि एम0ए0राजनीति विज्ञान में पूर्व निर्धारित 1600 अंकों के अन्तर्गत ही चतुर्थ सेमेस्टर में मौखिक/प्रायोगिक परीक्षायें होगी। यह व्यवस्था अगले सत्र 2015—16 से प्रभावी होगा। यह भी निर्णय लिया गया कि केवल स्नातकोत्तर के चतुर्थ सेमेस्टर में ही मौखिकी/प्रायोगिक परीक्षा करायी जायेगी।**

बिन्दु सं0(06):—श्री रेशम लाल, असि0प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग व अन्य के पत्र दिनांक 15.04.2015 जो विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापकों के पी—एच0डी0 करने के सम्बन्ध हेतु सवेतन अवकाश स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णयः— **परिषद् ने विरोपरान्त निर्णय लिया कि ''यदि विश्वविद्यालय का शिक्षक विश्वविद्यालय में शोध(पी—एच0डी0) कार्य करता है तो उसे अवकाश नहीं लेना होगा। परन्तु यदि अन्य किसी विश्वविद्यालय से शोध(पी—एच0डी0) करते हैं तो उन्हें सवेतन दो वर्ष का अध्ययन अवकाश देय होगा।''**

उपर्युक्त निर्णय शोध अध्यादेश का अंश होगा जो शोध अध्यादेश में यथास्थान समाहित किया जाय।

बिन्दु सं0(07):—परिषद् के सम्मानित सदस्य प्रो0ओम प्रकाश सिंह ने परिषद् को स्वामिश्री : अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती, श्री विद्यामठ, काशी के पत्र तिथि कीलक 2072 वैशाख अमावस्या दिनांक 18 अप्रैल, 2015 जो महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के संस्कृत विभाग में स्नातकोत्तर कक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र को ''जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरुपानन्द सरस्वति स्वर्ण पदक'' प्रति परीक्षा सत्र देने हेतु प्रस्ताव है, से अवगत कराया।

निर्णयः— **परिषद् ने विचार विमर्श के अनन्तर अपनी सहर्ष सहमति प्रदान किया।**

बिन्दु सं0(08):—विभगााध्यक्ष, वाणिज्य विभाग ने अपने पत्र दिनांक 16.09.2014 द्वारा भेजे गये वाणिज्य विभाग की अध्ययन समिति की बैठक दिनांक 16.09.2014 में स्नातक (बी0काम0) एवं स्नातकोत्तर (एम0काम0) के पाठ्यक्रमों में संशोधनों की स्वीकृति का परिषद् के संज्ञान में लाया।

निर्णयः— **परिषद् ने विचारोपरान्त उक्त अध्ययन समिति के निर्णय को इस शर्त के साथ अनुमोदित किया कि उक्त अध्ययन समिति को संकाय समिति से शीघ्र अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।**

बिन्दु सं0(09):—विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग द्वारा सदन के समक्ष प्रस्ताव के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया कि एन0टी0पी0सी0 एवं गंगापुर परिसर में स्नातक स्तर पर दर्शनशास्त्र विषय का अध्ययन—अध्यापन कार्य प्रारम्भ किया जाय।

निर्णयः— **सदन ने विचारोपरान्त निर्णय लिया कि अगले सत्र से दर्शनशास्त्र विषय स्नातक स्तर पर प्रारम्भ किया जाय।**

अन्त में अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद देकर बैठक समाप्त हुई।

(**ओम प्रकाश**)
कुलसचिव

* * * * *